(३ घंटे) (पूर्णांक : १००)

सूचना : १. **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।
२. **सभी** प्रश्नों के लिए **समान अंक** हैं ।

१. 'काव्य नाटक' की परिभाषा देते हुए उसके विकासक्रम पर प्रकाश डालिए । (२०)

अथवा

'संस्मरण' का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विकास यात्रा को रेखांकित कीजिए ।

२. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए । (२०)

क) ''कुछ क्षण पहले
युध्द में संलग्न
समग्र राम !
मैंने देखा है उन्हें
बिखरते बिखरते ।''

अथवा

''कहना हनुमान प्रभु से
सीता वस्तु नहीं, नारी है
कुछ प्राण भी हैं उसमें
पत्नी है उनकी, हृदय वल्लभा ।''

ख) ''जिस बात से मुझे क्रोध आ सकता है, उसे बदलकर इधर-उधर करके बताना, क्या झूठ है । इतनी चोरी और इतना झूठ तो धर्मराज महाराज में भी होगा, नहीं तो वे भगवान जी को कैसे प्रसन्न रख सकते और संसार को कैसे चला सकते ।''

अथवा

''देखिए, असल में बात यह है कि मैं शरीर को प्रधानता नहीं देता, वह तो बाह्य है, मुख्यतः तो अन्तःकरण की हैं । वेदान्त के अनुसार अन्तःकरण के चार तत्त्व होते हैं - मन, बुद्धिइ, चित्त और अहंकार ।''

३. 'खंड-खंड अग्नि' काव्य नाटक के आधार पर राम के अन्तर्द्वन्द्व को स्पष्ट कीजिए । (२०)

अथवा

'खंड-खंड अग्नि' काव्य नाटक में नाटककार ने किन समस्याओं को उठाया है? सोदाहरण समझाइए ।

४. 'तुम्हारी स्मृति' संस्मरण के आधार पर लोकमान्य तिलक की चरित्रगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । (२०)

अथवा

'रजिया' के चरित्र और व्यक्तित्व का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

५. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए । (२०)

क) 'खंड-खंड अग्नि' काव्य नाटक में सीता का चरित्र ।
ख) 'खंड-खंड अग्नि' के लक्ष्मण ।
ग) कमला का व्यक्तित्व ।
घ) प्रोफेसर शशांक ।

MUQuestionPapers.com